था बिन म्हारी आँख्या हो गयी बावली इ टाबर के मन में बस गयी सूरत थारी सांवली Bhajans Bhakti Songs

था बिन म्हारी आँख्या
हो गयी बावली,
इ टाबर के मन में बस
गयी सूरत थारी सांवली

इ टाबर के मन में.....
मनडो म्हारो सुनो डोले
डगमैग डोला खावे हे
आंखड़ल्या विरह की मारी,

आंसुड़ा टपकावे हे
कइया चलसी था
बिन म्हारी गाड़ली
इ टाबर के मन में.....

मीरा पर किरपा किनी थी
सुनबा आवे बातड़ली
दास थारो यो आश लगाया,

खडयो उडीके बाटड़ली

प्रेम जाम से भर दो म्हारी
बाटली, इ टाबर के मन में.....
पेल्या प्रीत लगाय के तू
क्यू छोड़े मझदार जी

प्रेम भाव को पाठ पढ़ाकर,
मत बिसरो दिलदारजी
मन में रम गयी सूरत थारी
सांवली इ टाबर के मन में.....

थे छोडो पण में ना छोड़ू,
में तो थारो दास जी
खाटू का घनश्याम मुरारी,
में तो थारो खास जी

आलूसिंह की था
बिन आँख्या बावली
इ टाबर के मन में.....

Source: https://www.bharattemples.com/tha-bin-mahari-ankhiya-ho-gai-bavali/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw